आओ घर को सजादे गुलशन सा

आओ घर को सजा दे गुलशन सा
मेरे बाबोसा आने वाले है
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले है,
आओ घर को सजा दे गुलशन सा .....

ये कितने दिनों के बाद है आई ,
आज मिलन की बेला है,
कई दिन गुजारे है यादों में ,
ये दर्द जुदाई का झेला है,
हो हो हो हो हो...

वो दर्श दिखाकर के बाबोसा ,
अपना बनाने वाले है,
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले हे.
आओ घर को ....

बाबोसा कही हो ना जाये ,
इस जग में मेरी हंसाई ,
राह निहारे तेरी हम ,
क्यों इतनी देर लगाई
हो हो हो हो हो...
पलको के रास्ते हम " दिलबर " तुम्हे दिल मे बसाने वाले है
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले हे
आओ घर को ....

।।।।।
✍ रचनाकार ✍
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र .

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18862/title/aao-ghar-ko-sajade-gulshan-sa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |